2024-25

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कक्षा : बी०ए० प्रथम सेमेस्टर	पाठ्यक्रम योजना : सत्र–2023–24	विषय : समाज शास्त्र

दिनांक	व्याख्यान सं:	प्राध्यापक का नाम	कोर्स का प्रश्नपत्र	अध्याय	शीर्षक
16.1.2025	1	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारत में समाज : संरचना, संगठन एवं परिवर्तन	पाठ्यक्रम परिचय
17	2	" "	"	भारतीय समाज की संरचना	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
18	3	" "	"	" "	शास्त्रीय दृष्टिकोण
20	1	श्रीरिते-नाथ पाण्डेय	SOC 102F	भारत में जनसंख्या संरचना	जनांकिकी की अवधारणा, अर्थ एवं महत्व
21	2	" "	"	" "	जनांकिकीय सिद्धान्त - माल्थस, डबलडे, कैनन, नोटेस्टीन
22		" "	"	कक्षाध्यापन	माडनर की कक्षा
23	4	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज की संरचना	गाँव की अवधारणा, विशेषताएँ
24	5	" "	"	" "	गाँवों के प्रकार
25	6	" "	"	" "	भारतीय गाँवों की सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन
27	3	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	भारत में जनसंख्या संरचना	भारत में जनसंख्या की संरचना एवं गतिकी
28	4	" "	"	" "	भारतीय समाज की जनांकिकीय विशेषताएँ
29		" "	"	मासिक मूल्यांकन	
30	7	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज की संरचना	कस्बा की अवधारणा एवं विशेषताएँ
31.1.2025	8	" "	"	" "	नगर का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ
1.2.2025	9	" "	"	" "	भारत में नगरीकरण की प्रक्रिया
4	5	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	भारत में जनसंख्या विस्फोट	जनसंख्या विस्फोट की अवधारणा एवं संसूचक
5	6	" "	"	" "	जनसंख्या विस्फोट के कारण एवं प्रभाव
6		" "	"	कक्षाध्यापन	माडनर की कक्षा
7	10	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज की संरचना	ग्रामीण एवं नगरीय समुदायों में भेद
8	11	" "	"	भारत में विविधता में एकता	संजातीय एवं सांस्कृतिक विविधता
10	12	" "	"	भारतीय समाज की मौलिक संस्था - जाति	जाति का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ
11	7	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	भारत में जनसंख्या नियंत्रण	जनसंख्या नियंत्रण नीति
13	8	" "	"	" " "	उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित जनसंख्या नीति
14		" "	"	कक्षाध्यापन	माडनर की कक्षा

2024-25

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कक्षा : बी.ए. II सेमेस्टर	पाठ्यक्रम योजना : सत्र–2023–24			विषय : समाजशास्त्र	
दिनांक	व्याख्यान सं:	प्राध्यापक का नाम	प्रश्नपत्र	अध्याय	शीर्षक
15.2.2025	13	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज की मौलिक संस्था : जाति	जाति प्रथा का महत्व एवं वर्तमान-परिवर्तन
17	14	" "	"	भारतीय समाज की मौलिक संस्था - वर्ग	सामाजिक वर्ग का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ
18	15	" "	"	" "	भारत में वर्ग विभाजन के आधार
19	9	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	भारत में जनसंख्या विश्लेषण	जनसंख्या वृद्धि रोकने हेतु सुझाव
20	10	" "	"	भारत में जनजातीय समुदाय	जनजाति का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ
21		" "	"	कक्षाध्यापन	माइनर की कक्षा
22	16	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज की मौलिक संस्था - वर्ग	जाति एवं वर्ग में अन्तर
24	17	" "	"	भारतीय समाज की मौलिक संस्था - विवाह	विवाह का अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार
25	18	" "	"	" " "	हिन्दू विवाह के उद्देश्य एवं स्वरूप
27	11	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	भारत में जनजातीय समुदाय	भारतीय जनजातीय जीवन का बदलता स्वरूप
28.2.2025		" "	"	मासिक मूल्यांकन	
1.3.2025	19	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज की मौलिक संस्था - विवाह	हिन्दू एवं मुस्लिम विवाह में अन्तर
3	20	" "	"	संयुक्त परिवार	अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ
4	21	" "	"	" "	संयुक्त परिवार का महत्व एवं वर्तमान परिवर्तन
5	12	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	जनजातीय समस्याएँ	सांस्कृतिक सम्पर्क से उत्पन्न समस्या
6	13	" "	"	" "	पिछड़ापन एवं आत्मसातकरण की समस्याएँ
7		डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	कक्षाध्यापन	माइनर की कक्षा
8	22	" "	"	भारतीय समाज की मौलिक संस्था - धर्म	धर्म की अवधारणा, परिभाषा एवं उत्पत्ति के सिद्धान्त
10	23	" "	"	" "	भारतीय समाज पर हिन्दू धर्म का प्रभाव
11	24	" "	"	" "	धर्म में आधुनिक परिवर्तन
17	14	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	जनजातीय समस्याएँ	एकीकरण एवं दृढ़ीकरण की समस्या
18	15	" "	"	जनजातीय कल्याण	भारत में जनजातीय कल्याण, नीतियाँ
19		डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	कक्षाध्यापन	माइनर की कक्षा
20	25	" "	"	भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य	भारत विद्याशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य का अर्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष	पाठ्यक्रम योजना : सत्र–2023–24				विषय : समाजशास्त्र
दिनांक	व्याख्यान सं:	प्राध्यापक का नाम	प्रश्नपत्र	अध्याय	शीर्षक
21.3.2025	26	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य	जी०एस० घुरिये का दृष्टिकोण
22.3.2025		" "	"	मासिक मूल्यांकन	
1.4.2025	16	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	भारतीय समाज में परिवर्तन एवं रूपान्तरण	परिवर्तन एवं रूपान्तरण की अवधारणा
2	17	" "	"	" "	इसके अध्ययन के उपागम
3	18	" "	"	" "	भारतीय समाज में परिवर्तन एवं रूपान्तरण
4	27	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य	लुई ड्यूमा का दृष्टिकोण
5	28	" "	"	" "	ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का अर्थ
7		" "	"	कक्षाध्यापन	माइनर की कक्षा
8	19	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	भारतीय समाज में परिवर्तन एवं रूपान्तरण	सामाजिक रूपान्तरण की प्रमुख प्रक्रियाएँ
9	20	" "	"	" "	संस्कृतिकरण की प्रक्रिया
11	21	" "	"	" "	पाश्चात्यीकरण एवं लोकतंत्रीकरण
12	29	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य	भारतीय समाज का शास्त्रीय परिदृश्य
15	30	" "	"	" "	संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक परिप्रेक्ष्य का अर्थ
16		" "	"	कक्षाध्यापन	माइनर की कक्षा
17	22	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	भारतीय समाज में परिवर्तन एवं रूपान्तरण	आधुनिकीकरण एवं वैश्वीकरण
19	23	" "	"	" "	औद्योगीकरण एवं नगरीकरण
21	24	" "	"	बहिष्कार एवं समावेशन	अवधारणा
22	31	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य	संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक उपागम की मान्यताएँ
23	32	" "	"	" "	मानवशास्त्रीय एवं समाजशास्त्रीय प्रकार्यवाद
24		" "	"	कक्षाध्यापन	माइनर की कक्षा
25	25	रितेन्द्र नाथ पाण्डेय	SOC 102F	बहिष्कार एवं समावेशन	दलितों की समस्याएँ एवं कल्याण कार्य
26	26	" "	"	" "	दलितों की प्रास्थिति में परिवर्तन
28	27	" "	"	" "	पिछड़े वर्गों की समस्याएं एवं कल्याण के प्रयत्न
29	33	डॉ० हनुमान प्रसाद उपाध्याय	SOC 102F	भारतीय समाज के अध्ययन के परिप्रेक्ष्य	प्रकार्यवाद को मर्टन का योगदान
30.4.2025		" "	"	मासिक मूल्यांकन	